यीशु ने कलवरी दुःख क्‍यों सह लिया,

मुझ पापी में क्‍या देखा था?

कोई खूबी नही, कोई खूबी नहीं

मुझ में कोई खूबी नहीं ।

1. प्रेमियों ने तो छोड़ दिया था,

कोई न मिला था तेरे ही सिवाय ।

2. पाप में मर के जी उदास हुआ,

जीना भी मेरा था मौत की तरह ।

3. पांव से न मैं तेरी राह चला,

हाथ से मैंने तेरी सेवा की ।

4. नयन से मैंने पाप किया था,

जीभ से मैंने तेरी महिमा की ।

5. प्रेम की सन्‍ति क्‍या में उसे दुं,

सोच-सोच कर पांव पर उसके में गिरूँ ।